सुविचार

*परिस्थितियाँ जितनी ज्यादा आपको तोड़ती हैं.. उससे कहीं ज्यादा आपको मजबूत बना देती हैं..।*

साप्ताहिक

# युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-21 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 01 जुलाई 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

## पानी-पानी हुई मुंबई, भारी बारिश से हाल बेहाल

### 2 दिन के लिए येलो अलर्ट जारी

**मुंबई।** दक्षिण पश्चिम मानसून के कारण आर्थिक राजधानी मुंबई में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने मुंबई सहित आसपास के इलाकों में अगले 48 घंटे के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। भारी बारिश के कारण मुंबई के निचले इलाकों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। तेज बारिश के कारण सड़कों व निचली बस्तियों में पानी भर गया है। भारी बारिश के कारण गुरुवार को बढ़ते तापमान से भी राहत मिली है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि मुंबई और आसपास के पड़ोसी क्षेत्रों में अलग 24 घंटे से भारी से भी भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि एक और दो जुलाई को कुछ स्थानों पर भारी बारिश होगी, इस कारण से 48 घंटे के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

## ऑपरेशन-लोटस के MP मॉडल ने छीनी उद्धव की कुर्सी

कांग्रेस सरकार के तख्तापलट का सियासी चैप्टर महाराष्ट्र में भी दोहराया गया। साल 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ 22 विधायकों ने कांग्रेस से बगावत की थी। ठीक ऐसी ही बगावत शिवसेना के विधायकों ने की। MP के विधायकों को भोपाल से बेंगलुरु शिफ्ट किया गया था। लेकिन महाराष्ट्र में विधायकों की बाड़ेबंदी की स्ट्रेटेजी में थोड़ा सा बदलाव किया गया। एकनाथ शिंदे ने विधायकों को लेकर सूरत में कैंप किया, बाद में विधायक गुवाहाटी (असम) शिफ्ट कर दिए गए। एमपी के मामले में सिंधिया गुट के विधायकों से मिलने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह बेंगलुरु पहुंचने में कामयाब हो गए थे। यही वजह है कि शिंदे गुट को एक राज्य से दूसरे राज्य में शिफ्ट किया गया। इस सियासी खेल में BJP ने जिस तरह MP की कमलनाथ सरकार में अंदरूनी कलह का फायदा उठाया, ठीक इसी तरह उद्धव ठाकरे भी शिकार हुए। जिस तरह मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया गुट के विद्रोह की वजह पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का कमलनाथ के साथ नजदीकियां होना बताया गया। ठीक वैसा ही उद्धव सरकार पर सांसद संजय राउत का हावी होना एकनाथ शिंदे गुट की बगावत की वजह बनी। महाराष्ट्र के सियासी गलियारे में यह प्रचारित है कि उद्धव ठाकरे अपनी ही पार्टी के विधायकों से मिलते नहीं थे। MP में भी कमलनाथ सरकार गिराने से पहले सिंधिया समर्थक विधायकों ने आरोप लगाए थे कि कमलनाथ सरकार में उनकी सुनवाई नहीं होती है।

### एक मंडली पर निर्भरता

बागियों ने पार्टी के उन लोगों की एक मंडली पर ठाकरे की निर्भरता पर भी उंगली उठाई, जिन्हें निर्णय लेने का काम सौंपा गया था। शिंदे जैसे शिवसेना के जन नेताओं की तुलना में उस मंडली को ज्यादा शक्तियां दी गईं। ऐसा ही स्कैम में कमलनाथ की 15 महीने की सरकार के दौरान देखने को मिला। सिंधिया का ग्वालियर-चंबल में प्रभाव था। बावजूद इसके सरकार के फैसलों में वह अपने आप को उपेक्षित महसूस करते थे।

## ईडी के सामने संजय राउत की पेशी आज, 1,034 करोड़ के पात्रा चाल भूमि घोटाले में हैं आरोपी

**मुंबई।** महाराष्ट्र का सियासी घमासान थम गया है। हालांकि प्रदेश के आगे के घटनाक्रम पर भी देश की नजर है। आज की दूसरी बड़ी खबर महाराष्ट्र से ही है जहां संजय राउत को ईडी के सामने पेश होना है। शरद पवार को भी इनकम टैक्स ने नोटिस भेजा है, जिसे एनसीपी सुप्रीमो लव लेटर बता रहे हैं। मानसून का असर विभिन्न राज्यों में देखने को मिल रहा है। कई शहरों में भारी बारिश का दौर शुरू हो चुका है। वहीं उदयपुर में कन्हैयारलाल की हत्या के बाद तनाव बरकरार है। कन्हैयालाल के हत्यों को लेकर नए खुलासे हो रहे हैं। धर्म-समाज में आज जगन्नाथ रथ यात्रा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश-वासियों की इसकी बधाई दी है।

### संजय राउत को ईडी का समन, आज होगी पूछताछ

मुंबई के पात्रा चाल मामले में ईडी ने शिवसेना नेता संजय राउत को समन भेज कर एक जुलाई को पूछताछ में शामिल होने के लिए कहा है। उद्धव ठाकरे के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद ईडी ने शिवसेना नेता संजय राउत को दूसरा समन भेजा है। ईडी ने 1,034 करोड़ रुपये के पात्रा चाल भूमि घोटाले मामले में एक जुलाई को संजय राउत को पूछताछ के लिए बुलाया है। इस पर राउत ने कहा, मैं शुक्रवार को ईडी कार्यालय जाऊंगा और उनके सभी सवालों का जवाब दूंगा। ईडी ने सोमवार को पुणे के कारोबारी अविनाश भोसले को डीएचएफएल, यस बैंक मामले में हिरासत में लिया था।

## शिक्षक द्वारा बच्चों को शारीरिक दण्ड देना कितना गंभीर अपराध होगा जानिए/JJ act,2015....।

बचपन में अगर किसी बच्चों के दिमाग में डर बिठा दे तो वह डर उस बालक के दिमाग में हमेशा के लिए बना रहता है और इसका परिणाम यह होता है की वह बालक बड़े होकर भी उस डर को दिमाग से निकाल नहीं पता है। इसीलिए किशोर अधिनियम में ऐसे व्यक्ति को दण्डित करने का प्रावधान है जो किशोर बालक की किसी भी प्रकार का शारीरिक दण्ड देते हैं जानिए।

**किशोर न्याय (बालको की देख रेख एवं सरंक्षण) अधिनियम,2015 की धारा 82 की परिभाषा?**

1. कोई संस्था (जिसके अंतर्गत,कोचिंग, स्कूल, कॉलेज, आवासीय विद्यालय,होस्टल आदि ) का भारसाधक व्यक्ति या कोई बालक से करवाने वाला ठेकेदार किशोर बालक को जानबूझकर कर अनुशासन हीनता के लिए किसी भी प्रकार का शारिरीक दण्ड देगा तब ऐसे व्यक्ति पर दस हजार रुपए जुर्माना एवं दुवारा यही अपराध करेगा तब तीन माह की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जाएगा।
2. अगर कोई संस्था भारसाधक व्यक्ति इस धारा के अंतर्गत दोषी होता है तब उस व्यक्ति को सेवा से पदच्युत के दण्ड से दिया जाएगा अर्थात उसे नोकरी से हटाने का दंड दिया जाएगा।

**विशेष नोट-** धारा 82 की उपधारा (3) बहुत महत्वपूर्ण है यह धारा यह नियम बनाती है जब किसी व्यक्ति को धारा 82 के उपर्युक्त उपधारा(1) के दोषसिद्धि कर दिया गया है एवं किसी समिति, बोर्ड, सरकार या न्यायालय के आदेश का संस्था प्रबंधक जानबूझकर कर अनुपालन करता है या ऐसे व्यक्ति को दंडित नहीं करता है जिसने बालक को शारीरिक दण्ड दिया था तब संस्था के भारसाधक अधिकारी को तीन वर्ष से अधिक कारावास जो सात वर्ष तक की भी हो सकती है से और जुर्माना एक लाख रुपए से दण्डित करती है। यह धारा किसी भी प्रकार से बच्चों को शारीरिक दण्ड देने वाले को क्षमा नहीं करती है।,

**- लेखिका ज्योति सिंह चौहान (महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला ब्यूरो चीफ अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)**

## फर्जी तरीके से आधार एजेंसी देना या ई-केवाईसी कर देना कब दण्डनीय अपराध होगा जानिए/IT Act,2000 ....।

वर्तमान स्थिति में बहुत से लोग ऐसे हैं जो फर्जी तरीके से आधार कार्ड की एजेंसी ले लेते हैं एवं कुछ लोग अपनी एजेंसी से बहुत से लोगो के फर्जी आधार कार्ड बना देते हैं जैसे आधार में जन्म तिथि या वास्तविक पता न डालकर फर्जी पता डालना या फर्जी मार्कशीट अपलोड करके गलत जानकारी चढ़ा देना ऐसा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ किसी धारा के अंतर्गत मामला दर्ज होगा पढ़िए।

**सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000 की धारा 73 की परिभाषा-?**

1. कोई भी व्यक्ति इलैक्ट्रोनिक चिह्नक प्रमाण पत्र को जारी नहीं करेगा तब तक- कोई प्रमाण पत्र को किसी प्रमाणकर्ता ने जारी नहीं किया हो।

प्रमाण पत्र में सूचीबद्ध हस्ताक्षरकर्ता ने उसे स्वीकार नही किया है।

जब तक प्रमाण पत्र को जारी नहीं करेगा तब तक उसे किसी अधिकारी द्वारा स्वीकार या निलंबित नहीं कर दिया गया हो। अर्थात सामान्य शब्दों में बताए तो कोई भी आधार एजेंसी देने वाला अधिकारी या आधार कार्ड बनाने वाला व्यक्ति बिना प्रमाण पत्र की सत्यापन के कोई भी इलैक्ट्रोनिक चिह्नक प्रमाण पत्र जारी या ई-केवाईसी नहीं करेगा।

2. अगर कोई व्यक्ति उपर्युक्त धारा 73 की उपधारा(1) का उल्लंघन करेगा तब वह धारा 73(2) के अंतर्गत दोषी होगा।

**सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम,2000 की धारा 73 के उल्लंघन पर दण्ड का प्रावधान-**

यह अपराध न्यायालय द्वारा समझोता योग्य हैं एवं यह असंज्ञेय एवं जमानतीय अपराध हैं,किसी भी मजिस्ट्रेट द्वारा इस अपराध की सुनवाई की जा सकती है। अधिनियम के अनुसार अपराध का इन्वेस्टिगेशन करने की शक्ति निरीक्षक(इंस्पेक्टर) की नीचे की पक्ति के पुलिस अधिकारी को नहीं हैं। सजा- इस अपराध के लिए अधिकतम दो वर्ष की कारावास या जुर्माना जो एक लाख रुपए तक या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

**- लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं विधिक सलाहकार) 9827737665**

## पालीथिन प्रतिबंध से पहले ही कार्रवाई

**गंजबासौदा।** आज से 75 माइक्रोन से कम मोटाई वाली प्लास्टिक, कैरी बैग और सिंगल यूज प्लास्टिक पर भारत शासन द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है। यह सामग्री बाजार में आज से पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। भारत सरकार के इस आदेश को लेकर नगर पालिका काफी दिनों से प्रचार-प्रसार में लगी हुई है, जिससे सभी थोक व्यापारी, फुटकर व्यापारी, सब्जी, फल ठेले वाले जागरूक हो जाए। सरकार के इस आदेश का पालन नहीं करने वाले संबंधित थोक व्यापारियों और छोटे व्यापारियों को पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इसी कड़ी में नगर पालिका की स्वास्थ्य शाखा की टीम ने गुरुवार को शहर के दो थोक व्यापारियों की दुकानों पर कार्रवाई करते हुए करीब एक क्विंटल पालीथिन और प्लास्टिक की सामग्री को जब्त किया है।

## भारत सरकार युवा कार एवं खेल मंत्रालय का राष्ट्रीय एकता शिविर मैं चयन होने पर बधाई दी।

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। महाविद्यालय की छात्रा कुमारी अंशिका गुप्ता बीए द्वितीय वर्ष का चयन भारत सरकार युवा कार एवं खेल मंत्रालय का राष्ट्रीय एकता शिविर मैं चयन हुआ है शिविर 27 जून से 3 जुलाई तक एलडी कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग अहमदाबाद गुजरात में आयोजित है मध्य प्रदेश एनएसएस का 11 सदस्य दल में महाविद्यालय की छात्रा कुमारी अंशिका गुप्ता इसमें सहभागिता करेंगी। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ कामिनी जैन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ हर्षा चचाने ,डॉ रीना मालवीय एवं महाविद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है।

## जिला निर्वाचन एवं एनएसएस के सहयोग से ग्रामीण व नगरीय निकायों के निर्वाचन हेतु मतदाता जागरूकता अभियान पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम में प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन व जिला निर्वाचन एवं एनएसएस के सहयोग से ग्रामीण व नगरीय निकायों के निर्वाचन हेतु चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला निर्वाचन साक्षरता क्लब के अंशिका गुप्ता श्रुति पाराशर आकांक्षा एवं पूजा गोस्वामी तानिया मेहरा द्वारा आज छात्राओं को मतपत्र द्वारा मतदान की प्रक्रिया के बारे में समझाया गया तथा पहली बार मतदान करने जा रहे मतदाताओं को प्रेरित किया कि वे बिना डर दबाव लालच के स्वतंत्र तथा निष्पक्ष मतदान करें तथा छात्राओं से अपील की गई कि मतदान के दिन मतदान केंद्रों तक पहुंचाने में वह निराश्रित वृद्ध एवं दिव्यांगों की सहायता करें। प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन द्वारा छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने में निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं की जागरूकता एवं नैतिक सहभागिता को विकसित करना एक महत्वपूर्ण पहलू है कार्यक्रम अधिकारी डॉ हर्षा चचाने ने छात्राओं को बताया कि क्लब के माध्यम से वर्ष भर मतदाता शिक्षा संबंधी जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा एवं कोई मतदाता ना छूटे की थीम पर कार्य किया जाएगा इस अवसर पर डॉ अनिल रजक डॉ रीना मालवीय डॉ श्रीकांत दुबे डॉ. संगीता पारे उपस्थित थे।

## सहर

मेरे गांव की बुराई करते मैंने हर सहर को देखा है
तेरे सहर के जमीर को मैने बहुत नजदीक से देखा है

मेरे गाँव मे मैने नीम के नीचे लोगो को हंसते देखा है
बचपन के दोस्त को मैंने तेरे चौखट पर नही देखा है

तपती धूप बरिस में किसान को काम करते देखा है
उस सहर को मैने रिस्तो से थकते छिपते देखा है

मेरे गाँव के मजदूर को मैने मेहनत करते देखा है
दिलो में जगह नही तो फुटपाथ पर सोते देखा है

हर त्यहार पर भाई बहन को एक साथ देखा है
तेरे सहर में मैने भाई को बहन के घर नही देखा है

सहर के जमीर पर ईमान की धूल चढ़ते देखा है
पापा घर नही मैने फोन पर झूठ बोलते देखा है

मोहन मांढरे
विदिशा

# अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

**पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।** शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय नर्मदापुरम में अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन के मार्गदर्शन में छात्राओं को शपथ दिलाई एवं छात्राओं को नषे से दूर रहने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत निबंध (युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति एवं उसका निदान) प्रतियोगिता में प्रथम अर्पिता पचौरी द्वितीय श्रुति पाराशर एवं तृतीय शिवानी पचारे रहीं एवं सांत्वना पुरस्कार पायल बावरिया, वाद विवाद प्रतियोगिता (समाज के विखंडन का प्रमुख कारण नशा है) मैं प्रथम अंशिका गुप्ता द्वितीय श्रुति पाराशर एवं तृतीय शिवानी धुर्वे तथा सांत्वना पुरस्कार शीतल बामने को प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. रागिनी सिकरवार, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. संगीता पारे, श्वेता वर्मा उपस्थित रहें।

# दूसरे चरण में तीन जनपद पंचायतों के लिए मतदान शुरू

**जबलपुर।** त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत शुक्रवार को दूसरे दौर का मतदान हुआ। मतदान को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह दिखाई दिया। लगभग सभी मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे के पहले से ही मतदाताओं की कतारें लगी रहीं। आज जिले के मझौली, पाटन एवं शहपुरा विकासखंड में वोट डाले जा रहे हैं। पंचायत निर्वाचन के तहत दूसरे एवं जिले के अंतिम दौर के मतदान के दौरान मतदाताओं का उत्साह सुबह से ही देखने लायक रहा। क्या महिला-क्या पुरुष, सभी वोट डालने के लिए सुबह से ही कतारबद्ध दिखाई दिए। मतदान केंद्रों पर मतदाता शालीनता पूर्वक अपनी बारी की प्रतीक्षा करते रहे।

## बुजुर्गों और युवाओं में भी दिखा उत्साह

मतदान के दौरान युवाओं और वृद्ध जनों में भी चुनाव को लेकर काफी उत्साह दिखाई दिया। बुजुर्ग मतदाता लोगों को यह संदेश देते रहे कि मतदान उनका अधिकार ही नहीं जिम्मेदारी भी है। इसी तरक्ष नव-युवा मतदाता अपने वोट को एक ऐसी कलम के रूप में देखते रहे जो लोकतंत्र में नई पीढ़ी की इबारत लिखने वाली हो। श्रमिक वर्ग वोट तो डालना चाहता है, लेकिन अपनी मजदूरी को मार कर नहीं। इसलिए मजदूर तबके के मतदाता सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लाइन में लगकर खड़े रहे। उनका प्रयास रहा कि वे सुबह जल्द से जल्द मतदान कर अपने काम पर निकल जाएं।

# जन समस्याओं का समाधान हो वार्ड का विकास हो,यही मेरा प्रयासः जीतेन्द्र अहिरवार

जीतेन्द्र अहिरवार जो की सोशल मीडिया पर अपना नाम जीतेन्द्र मूलनिवासी लिखते है नगर परिषद बाड़ी के वार्ड क्रमांक 10 से पार्षद पद के लिए निर्दलीय प्रत्याशी उम्मीदवार है । जब भी कहीं संघर्ष की बात आती है तो जीतेन्द्र मूलनिवासी जी का नाम जिले में सबसे पहले आता है जीतेन्द्र अभी भीम आर्मी रायसेन के जिलाध्यक्ष है ओर बहुजन राजनीति का उभरता हुआ चेहरा है इससे पूर्व जीतेन्द्र अहिरवार समाज संघ ब्लॉक शाखा बाड़ी के अध्यक्ष भी रहे है ओर भीम सेना संगठन में प्रदेश अध्यक्ष के पद भी पदस्थ रहे है पिछले 11 साल से जीतेन्द्र समाज के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे है किसी भी जाती धर्म के लोगो के साथ अन्याय अत्याचार होता तो जीतेन्द्र उसके खिलाफ

आवाज उठाते है छात्रों के हित में भी कार्य करते है उनका आत्मविश्वास कभी कम नहीं होता बो हर हर परिस्थिति में संघर्ष करते है जीतेन्द्र माता सावित्री बाई फुले निशुल्क कोचिंग क्लास के संचालक भी है जो संत गुरु रविदास मंदिर बाड़ी में चलाई जाती है युवा प्रदेश के पत्रकार महेश नरवरिया जी से बात करते हुए बताया की में चुनाव इसलिए लड़ रहा हूं लकी वर्षों से रुके हुए विकाश के कार्यों को गति दे सके वार्ड में आम जनों को नाली बिजली पानी सड़क ओर कई तरह को समस्याओं का सामना करना पड़ता है में बाड़ी वार्ड नं 10 कि जनता को विश्वास दिलाता हूं कि में हमेशा आपकी सेवा निस्वार्थ रूप से करने के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा जीतेन्द्र अहिरवार ने सभी वार्ड बासियो से अपनी की केक के सामने बाला बटन दबाकर भारी मातो से विजय बनाए वार्ड के अधिक से अधिक लोग जीतेन्द्र किं कार्यशैली कि बजेह से उन्हें पसंद करते है उनके लिए लोगो के में।में अटूट प्रेम और विश्वास है ।

**प्रत्याशी नेक है , चुनाव चिन्ह केक है**

## जय भीम नमो बुद्धाय??

रिश्तो की अनकही दास्तां
जीवन के कुछ रिश्तो मे,
हर बात अनोखी होती हैं...
निडरता से किसी बात को रखना ...
लगता हैं विरले लोगो की ही खूबी हैं..
आज सच को सच कहना ,
लोगो की सबसे बड़ी कमजोरी हैं..
और सच को झुठ बोलना भी मजबूरी हैं.
क्युकी रिश्तो के इस जंजाल मे,
अपना अस्तित्व बचाए रखना भी जरूरी है....

**बसंत(के.एल.) जाटव**
**प्र.प्रधानाध्यापक( शास. एकीकृत माध्यमिक शाला सोंधनी छिंदवाड़ा)**

प्रकाशक:- कैलाश अहिरवार | संख्या 1000 नग | मुद्रक:- ओम फ्लैक्सवाला कोतमा 9630254144

## सीएम ने प्रत्याशियों के हाथ जुड़वाकर मांगे वोट

**विदिशा।** नगर पालिका चुनाव के लिए छह जुलाई को होने वाले मतदान के पूर्व भाजपा और कांग्रेस ने मतदाताओं को लुभाने सारी ताकत झोंक दी हैं। बुधवार को भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आमसभा की। इस दौरान उन्होंने सभी 39 प्रत्याशियों को मंच पर खड़ा कराया और उनसे हाथ जुड़वाकर मतदाताओं से भाजपा की जीत के लिए वोट मांगे। इस दौरान उन्होंने भाजपा के संकल्प पत्र का लोकार्पण भी किया। सभा में कांग्रेस नेता नारायण दांगी सहित 60 कांग्रेसियों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। इधर, कांग्रेस विधायक शशांक भार्गव ने वार्ड 33 में रोड शो कर मतदाताओं से कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। मुख्यमंत्री चौहान की आमसभा के लिए भाजपा पिछले पांच दिनों से वार्डों में बैठके कर रही थी। बुधवार की दोपहर को सभी वार्र्डों के प्रत्याशी अपने क्षेत्र के समर्थकों के साथ माधवगंज चौराहे पर पहुंचे। दोपहर करीब एक बजे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंच पर पहुंचे और यहां स्वागत के बाद भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस नेताओं का स्वागत किया। इसके बाद पूर्व नपा अध्यक्ष मुकेश टंडन में उनके कार्यकाल में हुए विकास कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान मंच पर पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत, सूर्यप्रकाश मीना, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश जादौन, श्याम सुंदर शर्मा, तोरणसिंह दांगी, मनोज कटारे आदि उपस्थित थे।

### कांग्रेस को जिताया तो बनेगी केकड़ा परिषद

सीएम के भाषण में आज विधानसभा में भाजपा को मिली हार की टीस भी उभरकर सामने आई। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि उनसे विधायक चुनने में चूक हो गई। इसलिए विकास की एक कड़ी टूट गई। अब विदिशा का विकास कराने की लिए नपा में भाजपा की परिषद होना चाहिए ताकि सरकार सीधे नपा के माध्यम से शहर का विकास करा सके। उन्होंने केकड़ों का किस्सा सुनाते हुए कहा कि यदि नपा में कांग्रेस की परिषद बन गई तो यह केकड़ा परिषद बन जाएगी।

### कविता

प्यार वहीं जो आपको बदल दे,
सारा आलम खुशियों से भर दे।।

इश्क़ जो मजबुर हो मिलने के लिए,
इस दिल में बेपनाह मोहब्बत भर दे।।

जिक्र करे दिल उसका बार - बार ,
इस दिल को इतना आशिकाना कर दे।।

तेरी मिन्नते ना करू बार - बार ,
सारी दुआ एक बार ही कबूल कर दे।।

हो जाऊ मै उसमे बेइंतेहा मशरूफ,
ऐसी दीवानगी इस दिल में भर दे।।

प्यार जो होठो से बयां ना हो,
इन आंखों में इतना जाम भर दे।।

उसके बिना मेरा दिल नहीं लगता ,
उसका भी दिल मेरे लिए धड़के , इतना सा जादू कर दे।।

लेखिका
वैशाली नारनवरे
जिला छिन्दवाड़ा

# खंडवा जिले में वनमंत्री ने किया मतदान, मालवा-निमाड़ में दिख रहा वोटिंग का उत्साह

**इंदौर।** मध्य प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में शुक्रवार सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया है, जो दोपहर 3 बजे तक चलेगा। मालवा-निमाड़ के 14 जिलों की अलग-अलग पंचायतों में मतदान हो रहा है। मतदान को लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा है, सुबह से ही केंद्रों के बाहर मतदाताओं की लाइन लगना शुरू हो गई है। मतदान खत्म होने के बाद मतगणना भी शुरू हो जाएगी।

### मंत्री विजय शाह ने खालवा के आशापुर में किया मतदान

पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में शामिल खंडवा जिले के खालवा ब्लाक में मतदान जारी है। यहां वन मंत्री विजय शाह ने आशापुर के मतदान केंद्र क्रमांक तीन पर मतदान किया। विदित हो कि खालवा के वार्ड क्रमांक 14 से जिला पंचायत सदस्य पद के लिए मंत्री शाह के पुत्र दिव्यदित्य शाह मैदान में है। खालवा के वार्ड क्रमांक चार व पांच का मतदान केंद्र क्र 165 का स्थान परिवर्तित होने से मतदाताओं को मतदान केंद्र ढूंढने में परेशानी हुई। पहले यह मतदान केंद्र ग्राम पंचायत में था, लेकिन पंचायत जर्जर होने से ई-पंचायत भवन में नया मतदान केंद्र बनाया गया है।

### खंडवा जिले के खालवा और पुनासा में मतदान जारी

खंडवा जिले में पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में खालवा और पुनासा ब्लाक में सुबह सात बजे से मतदान चल रहा है। मतदान को लेकर ग्रामीणों में उत्साह से केंद्र के बाहर कतारें लग रही है। खालवा के बालक प्राथमिक केंद्र पर पहले एक घंटे में 169 मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान में महिलाएं भी पीछे नहीं हैं, सुबह से केंद्रों पर महिलाओं की भीड़ नजर आ रही है। बुरहानपुर जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर ग्राम पंचायत सिरपुर में मतदान सुबह 7 बजे से जारी है। गांव की सरकार बनाने को लेकर मतदाताओं में उत्साह नजर आ रहा है, सुबह से ही पोलिंग बूथ के बाहर लाइन लगी है।

### पंच के लिए सफेद व सरपंच के लिए नीले रंग का मतपत्र

मध्य प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला व जनपद पंचायत सदस्य का चुनाव मतपत्र से हो रहा है। जिसमें पंच के लिए सफेद रंग का और सरपंच के लिए नीले रंग का मतपत्र है। इसी तरह जनपद पंचायत सदस्य के लिए पीले रंग का और जिला पंचायत सदस्य के लिए गुलाबी रंग का मतपत्र है।

# वाहनों के आवगमन के लिए कराया था पुल चौड़ा अब अतिक्रमण

**गंजबासौदा।** करीब दो साल पहले पराशरी पुल का चौड़ीकरण का काम मिनी स्मार्ट सिटी योजना के तहत कराया गया था। यह चौड़ीकरण इसलिए कराया गया था कि इस पुल से निकलने वाले वाहनों को आने जाने में परेशानी न हो और पुल पर जाम न लगे। लेकिन पुल के जिस हिस्से का चौड़ीकरण कर वहां वाहनों के निलने के लिए जगह बनाई गई है। उस स्थान पर बड़ी संख्या में सब्जी, फल, दुकानें लगी हुई हैं। इस वजह से पुल के चौड़ीकरण का लाभ वाहन चालकों को नहीं मिल पा रहा है। इस समय पुल पर वर्षा का पानी भरा हुआ है, इस पानी के बीच से वाहन और पैदल निकलने वाले लोग निकल रहे हैं। पुल के चौड़ीकरण का लाभ न तो वाहन चालकों को मिल रहा है और न ही पैदल चलने वाले लोगों को वह स्थान केवल फुटकर व्यापारियों के लिए लाभदायक सावित हो रहा है। इस ओर न तो नगर पालिका ध्यान दे रही है और नहीं स्थानीय प्रशासन। शहर में कुछ समय हुई वर्षा के कारण पराशरी पुल के दोनों और पानी भरा जाता है,

जिस वजह से यहा से निकलने वाले वाहनों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। जबकि कुछ समय पहले पुल का चौड़ीकरण वाहनों के निकलने के लिए किया गया था। उस स्थान पर रोजना सब्जी, फल के ठेले लग जाते है और पुल के फुटपाथ पर कई छोटे दुकान दार अपनी दुकान लगा लेते हैं। जिस वजह से वाहनों को और पैदल निकलने वाले लोगों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस ओर नगर पालिका के द्वारा आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

### पुल के दूसरे हिस्से का होना है चौड़ीकरण

बात दें कि कुछ समय बाद पराशरी पुल के दूसरे हिस्से का चौड़ीकरण का काम होना है। जिसके लिए नपा के द्वारा इस महीने के शुरुआत में पुल के पास से गुजरी पुरानी पाइप लाइन को शिफ्ट करने का काम किया गया है। बताया जाता है वर्षा के बाद पुल के दूसरे हिस्से का चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा। जिससे पुल पूरी तरह से चौड़ा हो जाएगा।

## उप पंजीयक कार्यालय में स्लाट बुकिंग के बाद नहीं हो रही जमीनों की रजिस्ट्री

**विदिशा।** जिला मुख्यालय पर स्थित उप पंजीयक कार्यालय में लोगों को रजिस्ट्री कराना मुश्किल हो रहा हैं। स्लाट बुकिंग के बाद भी लोगों की जमीनों की रजिस्ट्री नहीं हो रही हैं। जानकारी के अनुसार गुरुवार को उप पंजीयक कार्यालय में रजिस्ट्री के लिए 52 स्लॉट बुक किए थे लेकिन दिन भर में 32 लोगों की ही रजिस्ट्री हो पाई।घण्टों इंतजार के बाद भी 20 लोगों की रजिस्ट्री नहीं हो पाई, इनमें अधिकांश विदिशा से बाहर के थे।नाराज लोगों का कहना था कि वे अपने सारे काम छोड़कर रजिस्ट्री कराने के लिए कार्यालय आए थे। यहां दिन भर गर्मी और उमस में बेहाल होते रहे।शाम 5 बजे बताया गया कि आज रजिस्ट्री नहीं हो पाएंगी।उनका कहना था कि कार्यालय में एक ही महिला अधिकारी थी। एक विंडो से उन्होंने 32 रजिस्ट्रियां कर दी। इस कार्यालय में दो विंडो की व्यवस्था हैं लेकिन यह विंडो महीने भर से बंद हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिला प्रशासन ने जिला मुख्यालय पर अधिक संख्या में रजिस्ट्री होने के कारण सप्ताह में तीन दिन ग्यारसपुर के उप पंजीयक की ड्यूटी विदिशा उप पंजीयक कार्यालय में लगाई थी लेकिन पिछले एक माह से यह व्यवस्था बंद हो गई हैं। इस बारे में जब जिला पंजीयक शिप्रा सेन से बात की गई तो उनका कहना था कि वे एक माह के मेडिकल अवकाश पर हैं। विदिशा का प्रभार भोपाल के जिला पंजीयक मुकेश श्रीवास्तव के पास हैं। जब कलेक्टर उमाशंकर भार्गव से बात की गई तो उन्होंने इसे वास्तविक समस्या बताते हुए कहा कि वे विदिशा कार्यालय में एक अतिरिक्त पंजीयक की जल्दी व्यवस्था कराएंगे ताकि लोगों को जमीन की रजिस्ट्री कराने के लिए परेशान न होना पड़े।

# सामग्री लेकर कर्मचारी रवाना, पहुंचते ही अंधेरा मिला

**सिरोंज।** त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के अंतर्गत दूसरे चरण में आज सुबह सात बजे से मतदान होगा। 93 ग्राम पंचायतों के 237 मतदान केन्द्रों के लिए गुरुवार को मतदान दल सामग्री लेकर रवाना हो गए। मतदान केंद्र पर शाम को पहुंचते ही कई जगह बिजली की समस्या सामने आई। मतदान केंद्र 77 एवं 161 हिनोतिया में बिजली नहीं होने से कर्मचारियों को परेशान होना पड़ा। मतदान कर्मचारियों ने अपने स्तर पर गैस से चलने वाली लालटेन की व्यवस्था की तब जाकर रात में उजाला हो सका। दोनों जगहों पर बिजली गुल मिली। रात 9 बजे तक बिजली की काई व्यवस्था नहीं हुई। मतदान केंद्र शासकीय स्कूल में ही बनाए गए हैं लेकिन यहां पहले से बिजली के इंतजाम नहीं किए गए। इधर रात में वर्षा होने के बाद कुछ केंद्रों में छत टपकने की भी शिकायतें मिलीं। इस मामले में कलेक्टर उमाशंकर भार्गव का कहना है कि दोनों ही जगह बिजली को लेकर स्थानीय समस्याएं थीं जिन्हें दूर करवा दिया गया है। इधर दूसरी तरफ लटेरी रोड स्थित शासकीय पालीटेक्नीक कालेज में मतदान दलों को सामग्री का वितरण किया गया। मतदान केन्द्रों पर मतदान दलों के साथ ही पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। आज शुक्रवार सुबह सात बजे से इन केन्द्रों पर मतदान की प्रक्रिया हो जाएगी। जनपद की 93 पंचायतों में 91 सरपंच, 25 जनपद सदस्य, 1467 पंचो के साथ ही जिला पंचायत के वार्ड 15,16 और 17 के सदस्यों का चुनाव है। इनमें 70283 पुरुष और 60792 महिला मतदाता 237 मतदान केन्द्रों पर अपने मत का प्रयोग करेंगे।

### शाम तक मतदान के बाद मतगणना

त्रिस्तरीय पंचायत के आम निर्वाचन तहत द्वितीय चरण का मतदान शुक्रवार एक जुलाई की प्रातः सात बजे से शुरू होगा। जो दोपहर तीन बजे तक जारी रहेगा। इसके पश्चात् संबंधित मतदान केन्द्र पर ही मतों की गणना कार्य सम्पन्ना होगी। वहीं मतदान के लिए 22 दस्तावेजों में से एक को मान्य किया गया मतदाता पहचान पत्र, भू-अधिकार एवं ऋणा पुस्तिका, पीला राशन कार्ड (काम के बदले अनाज योजनान्तर्गत जारी), नीला राशन कार्ड (गरीबी रेखा के नीचे हितग्राहियों हेतु जारी), राशन कार्ड, बैंक, किसान, डाकघर की पासबुक, शस्त्र लायसेंस, सम्पत्ति दस्तावेज जैसे- पट्टा, रजिस्ट्री, ब्लेख आदि, विकलांगता का प्रमाणपत्र, निराश्रत प्रमाणपत्र, तेंदूपत्ता संग्राहक पहचान पत्र, सहकारी समिति का अंश प्रमाणपत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट साइज, ड्रायविंग लायसेंस, भूतपूर्व सैनिक विधवा, आश्रित प्रमाणपत्र, रेलवे पहचान पत्र और स्वतंत्रता सेनानी पहचान पत्र मतदान के दौरान उपलब्ध होना चाहिये।

### बसें अधिग्रहण होने से परेशान हुए यात्री

आज त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दूसरे चरण में मतदान सम्पन्ना होने जा रहे हैं। इसी के चलते यात्री बसों का अधिग्रहण कर लिया गया। जिसके चलते गुरुवार को बस स्टेण्ड पर यात्रियों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। जिन रूट पर हर दस मिनट में बस मिल जाती थी उस रूट पर एक से डेढ़ घंटे से बसों का संचालन हुआ। वहीं कई यात्रियों को समय पर बस नहीं मिली तो उनको मायूस होकर घर वापस लौटना पड़ा।

### वर्षा डाल सकती है खलल

क्षेत्र में बीते दो दिन से रुक-रुक कर वर्षा हो रही है। गुरुवार को भी दोपहर के बाद कहीं झमाझम तो कहीं रिमझिम वर्षा होती है। जिससे कच्ची-पक्की सभी सड़कें कीचड़ से तरबतर हो गईं। यदि आज वर्षा होती है तो मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है साथ ही मतदान का प्रतिशत भी कम हो सकता है। वहीं प्रशासन द्वारा सभी मतदान केन्द्रों पर वर्षा से बचाव हेतू व्यापक व्यवस्थाएं जुटाई गई है। लाईट, पानी सहित तमाम तरह की व्यवस्थाओं में देरशाम तक अधिकारी, कर्मचारी लगे रहे।

### ये है मतपत्रों का रंग

मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन वर्ष 2022 हेतु मतपत्रों के रंग निर्धारित किए गए हैं। पंच पद के लिए सफेद रंग निर्धारित किया गया है, इसी प्रकार सरपंच के लिए नीला रंग, जनपद पंचायत सदस्य के लिए पीला रंग और जिला पंचायत सदस्य के लिए गुलाबी रंग का मतपत्र निर्धारित किया गया है।

# स्लीपर सेल तैयार करने में जुटे थे रियाज और गौस, खुद बनाते थे हथियार

**उदयपुर।** उदयपुर के कन्हैयालाल की निर्मम हत्या के मामले में एनआईए ने जांच शुरू कर दी है। दोनों हत्यारों रियाज अहमद और गौस मोहम्मद के बारे में ह्द्ध के सूत्रों ने बताया कि राजस्थान के 8 जिलों में ढ्ढस्ढ्ढ के लिए स्लीपर सेल तैयार करने में जुटे थे। उदयपुर, भीलवाड़ा, अजमेर, राजसमंद, टोंक, बूंदी, बांसवाड़ा,जोधपुर जिलों में धर्म के नाम पर दोनों आरोपी युवाओं का ब्रेनवॉश कर रहे थे। अरब देशों से इन्हें फंडिंग भी मिल रही थी। साथ ही इस बात का भी खुलासा हुआ है कि कन्हैया लाल को जिस हथियार से मारा गया था, वह हथियार भी दोनों ने खुद बनाया था। कन्हैया को मारते समय भी दोनों ने जहर उगलते हुए कहा था कि तुम काफिर हो। सऊदी अरब में वे सलमान और अबू इब्राहिम के लगातार सम्पर्क में थे, जो दावते-ए-इस्लाम संगठन से जुड़े थे।

**पीड़ित परिवार से मिलेंगे सीएम अशोक गहलोत:** टेलर कन्हैया लाल की नृशंस हत्या के बाद उपजे तनाव के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज उदयपुर जा रहे हैं और पीड़ित परिवार के लोगों से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ गृह राज्य मंत्री गजेंद्र शेखावत और ष्ठतक्कभी मौजूद रहेंगे। इस मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार व पुलिस प्रशासन की लापरवाही के कारण चौतरफा आक्रोश है। गौरतलब है कि टेलर कन्हैया लाल को बीते कई दिनों से धमकियां दी जा रही थी और उसने पुलिस से इस बात की शिकायत भी की थी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई न करते हुए कन्हैया लाल को ही जेल में डाल दिया था।

**अब CM गहलोत बता रहे आतंकी घटना:** हालांकि सर्वदलीय बैठक के बाद ष्टरू अशोक गहलोत ने कहा कि उदयपुर की घटना धार्मिक नहीं, बल्कि आतंकी घटना है। वहीं आरोपी पकड़े गए हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा है कि फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा उन्हें ऐसी सजा मिले जो देश, दुनिया में एक उदाहरण बने। पीड़ित परिवार के लोगों को सारी मदद प्रदान करेंगे। इस घटना में जो भी ज़िम्मेदार या कितना बड़ा कोई व्यक्ति या अधिकारी है।

## नर्मदा नदी में जमकर मारी जा रही मछलियां

नर्मदापुरम। 15 जून से लेकर 16 अगस्त तक हर वर्ष मछलियों के प्रजनन काल में मत्स्याखेट पर रोक रहती है। प्रतिबंध के बाद कार्रवाई नहीं होती। नर्मदा नदी में हर दिन शहर के तटीय क्षेत्र में ही कम से कम 100 लोग मछली का दिन दहाड़े खुलेआम शिकार करते हैं। विभाग लापरवाह बना हुआ है। विभाग के द्वारा एक कागजी टीम भी बनती है। पूर्व प्रभारी को सब कुछ पता रहता है। जिसे बीते वर्ष निलंबित किया गया था। कलेक्ट्रेट के तवा भवन के तलघरा में मछली विभाग का कार्यालय है जहां पर वरिष्ठ अधिकारियों को निरीक्षण की फुर्सत नहीं मिलती। कार्यालय में कितना स्टाफ है उसे चुनाव के कार्य में तो लगाया जाता है लेकिन विभागीय कार्य कितना हो रहा है इस पर ध्यान नहीं दिया जाता है खास करके मछली मारने पर रोक के बाद विभाग के द्वारा इनका कहीं ओर भी उपयोग किया जा सकता है। ये लोग मछली मारने वालों पर कार्रवाई नहीं करना चाहते हैं।

**विभाग में तीन निरीक्षक:** विभाग में 3 निरीक्षक हैं। मछली पकड़ने वालों पर कार्रवाई करने के लिए टीम बनी है। लेकिन इन लोगों को मछली पकड़ने वाले दिखते ही नहीं या ये लोग देखना ही नहीं चाहते जबकि हर दिन नर्मदा तट पर कई लोग मछली मार रहे हैं।

**घाटों के पास होता है शिकार:** नर्मदा की जलधारा में डोंगे में जाल रख कर सामूहिक रूप से खुलेआम शिकार करते हैं। इसी के साथ कोरीघाट और सर्किट हाउस के घाट के पास भी डोरी डाल कर बेखौफ मछलियां मारते हैं।

## पुलिस के साथ एनसीसी कैडेट्स संभाल रहे यातायात व्यवस्था

नर्मदापुरम। शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए यातायात पुलिस का साथ देने के लिए एनसीसी कैडेट्स आगे आए हैं। एनसीसी 13 एवं 5 बटालियन के 50 कैडेट्स अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जिला मुख्यालय पर पुलिस व एनसीसी कैडेट्स द्वारा यातायात व्यवस्था संभालने के लिए नवाचार शुरू किया गया है। इस नवाचार का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि अमले की कमी से जूझ रहे पुलिस कर्मियों को राहत मिली है। एनसीसी कैडेट्स लोगों को यातायात नियमों का पालन भी करा रहे हैं। यातायात पुलिस नर्मदापुरम द्वारा शहर की व्यवस्था में सुधार के लिए जन सहयोग लिया जा रहा है और न सिर्फ युवाओं और छात्रों को यातायात नियमों के प्रति संवेदनशील बनाया जा रहा है बल्कि व्यवस्था में सहयोग लिया जा रहा है। पुलिस की व्यवस्था में सहयोग और अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के संकल्प की पूर्ति के उद्देश्यों से एनसीसी कैडेट्स शहर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। शहर की व्यवस्था बनाये रखने के लिए एनसीसी कैडेट्स को डीपीओ चौराहा, मीनाक्षी चौक, होंडा चौराहा, सेठानी घाट पार्किंग और सतरस्ता पर यातायात अमले के साथ लगाया गया है। जहां इन कैडेट्स द्वारा उत्साह और ऊर्जा से काम किया जा रहा है साथ ही उनकी विभिन्न?न जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जा रहा है। कैडेट्स द्वारा पार्किंग को व्यवस्थित करने का प्रयास किया गया और तीन सवारी चलने वाले चालकों को समझाइश दी गई।

# मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने मनेन्द्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 80.19 करोड़ रुपए की लागत से कुल 25 कार्यो का किया लोकार्पण तथा भूमिपूजन

**कोरिया।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा आज बैकुण्ठपुर रेस्ट हाउस में भरतपुर-सोनहत विधानसभा क्षेत्र के कुल 80 करोड़ 19 लाख रुपए की लागत के 25 कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया जिनमें 66 करोड़ 62 लाख रुपए लागत के 17 कार्यों का लोकार्पण तथा भूमिपूजन तथा 13 करोड़ 56 लाख रुपए की लागत के 08 कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

### लोकार्पण के प्रमुख कार्य -

पोंडीडीह से जरौंधा 32.85 कि.मी. का निर्माण कार्य का लोकार्पण जिसकी लागत राशि 23 करोड़ 33 लाख रुपए है। पोंड़ी से मुगुम (जिला कोरबा सीमा) तक 10.30 किमी सड़क निर्माण लागत राशि 7.55 करोड़ रुपए, नई लेदरी पाराडोल मार्ग पर हसदेव नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग 6.76 करोड़ रुपए लागत राशि से, रतनपुर से चोपन व्हाया कोटेया मार्ग पर आंजन नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य 5.10 करोड़ रुपए लागत राशि से, तथा उधनापुर से पैनारी तक सड़क निर्माण कार्य लंबाई 07 कि.मी. कार्य का 5.24 करोड़ रुपए का लोकार्पण किया गया।

### भूमिपूजन के प्रमुख कार्य -

भूमिपूजन के तहत मुख्य रूप से शामिल पेण्ड्री अटल चौक से मटूकपुर मार्ग का निर्माण 6.70 कि.मी. लंबाई 8.09 करोड़ रुपए लागत राशि से बनाया जाएगा। क्रेडा के माध्यम से मनेन्द्रगढ़ मे प्रकाश व्यवस्था हेतु 50 नग सोलर हाई मास्ट की स्थापना जिसकी लागत राशि 2.02 करोड़ रुपए होगी। मनेन्द्रगढ़ नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्थानों में स्ट्रीट लाईट 1.20 करोड़ रुपए लागत राशि से, मनेन्द्रगढ़ के एन.एच. 43 से तिराहा चौक पहुँच मार्ग लंबाई 500 मी. का निर्माण कार्य लागत राशि 49.34 लाख रुपए और कोरिया के वनवासी कल्याण आश्रम से अगरियापारा लालपुर पहुंच मार्ग लं. 810 मी. निर्माण कार्य जिसकी लागत राशि 49.77 लाख रुपए होगी।

## त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन एवं नगरीय निकाय निर्वाचन को शांति पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु 960 प्रकरण में 1057 आरोपियों के विरुद्ध की गई प्रतिबंधात्म कार्यवाही एवं 616.4 लीटर देषी शराब तथा 92.7 विदेषी शराब जप्त

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री अखिल पटेल द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 एवं नगरीय निकाय निर्वाचन 2022 को शांति पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु जिले के समस्त थाना प्रभारियों को प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देषित किया गया था। इसी अनुक्रम में कल दिनांक 27.06.2022 को सीआरपीसी के अंतर्गत 169 प्रकरण में 182 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही, 06 प्रकरण में 06 आरोपियों के विरुद्ध बाउण्ड ओवर की कार्यवाही एवं अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये 32 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं, जिनमें 154 लीटर देषी शराब कीमत 16250 रुपये एवं 60.46 लीटर विदेषी शराब कीतम 24849 रुपये जप्त किया गया है। आदर्ष अचार संहिता लागू होने के बाद से आज दिनांक 28.06.2022 तक सीआरपीसी के अंतर्गत 960 प्रकरण में 1057 आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही, 246 प्रकरण में 270 आरोपियों के विरुद्ध बाउण्ड ओवर की कार्यवाही, 21 प्रकरण में 62 व्यक्तियों के विरूद्ध बाउण्ड डाउन की कार्यवाही, अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही करते हुये 122 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं, जिनमें 616.4 लीटर देषी शराब कीमत 65490 रुपये एवं 92.7 लीटर विदेषी शराब कीतम 47389 रुपये जप्त किया गया है। त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2022 एवं नगरीय निकाय निर्वाचन 2022 को शांति पूर्वक सम्पन्न करवाने के उद्देष्य से पुलिस अधीक्षक श्री अखिल पटेल द्वारा की गई इस प्रभावी कार्यवाही से अवैध गतिविधियों में रुप से अंकुष लगेगा एवं उनकी संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा।

## केन्द्रीय सचिवालय दिल्ली की महिला और आरएसबी इंदौर की पुरुष टीम ने जीता हाकी खिताब

**भोपाल।** अखिल भारतीय सिविल सेवा हाकी प्रतियोगिता में महिला वर्ग में केन्द्रीय सचिवालय दिल्ली और पुरूष वर्ग में आरऐसबी इंदौर चैंपियन बना। फेयर प्ले ट्राफी महिला वर्ग में मध्य प्रदेश तथा पुरूष वर्ग में उत्तराखंड को प्रदान की गई। राजधानी के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला केन्द्रीय सचिवालय दिल्ली और हरियाणा सचिवालय के बीच खेला गया। दिल?ली ने यह मुकाबला आसानी से 4-0 से जीतकर खिताब पर अधिकार जमाया। विजेता टीम की जसप्रीत कोर ओर करिश्मा सिंह ने दो दो गोल किए। वहीं छत्तीसगढ़ सिविल सेवा ने मध्य प्रदेश सिविल सेवा टीम को 11-0 से हराकर कांस्य पदक जीता। पुरूष वर्ग में खेले गए खिताबी मुक़ाबले में आरऐसबी इंदौर ने केन्द्रीय सचिवालय दिल्ली को 3-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। विजेता टीम की तरफ़ से नवनीत ने दो तथा मो जावेद ने ऐक गोल किया। दिल्ली की ओर से गोविंद सिंह रावत ने दो गोल किये। तीसरे स?थान के मुकाबले में दिल्ली सचिवालय ने उत्तराखंड सचिवालय को बहुत ही आसानी से 5-0 के अंतर से हराकर कांस्य पदक जीता।

# सीएफएल सेंटर मनेंद्रगढ़ द्वारा मनेंद्रगढ़ एवं खडगांव ब्लॉक में हुए वित्तीय साक्षरता के कैंप

**मनेंद्रगढ़।** विकासखंड मनेंद्रगढ़ और खड़गवा के ग्राम पंचायत मुशरा (,मनेंद्रगढ़) और बरदर मे (खड़गवा ) मे एक दिवशीय बीमा कैम्प का आयोजन किया गया समर्पित गरीबी उन्मूलन एवं सामाजिक अनुसंधान केंद्र बिलासपुर (छ. ग.) द्वारा संचालित सी.एफ.एल कॉर्डिनेटर संजीव कुमार, खड़गवा काउंसलर परसराम साहू के नेत्रत्व मे बीमा कैंप लगाया गया कैम्प मे विहान्न समूह के निर्मला, विमला और ग्राम सेवक, ग्राम कोतवाल एवं ग्रामीण वासी उपस्थित रहे जिसमे सी.एफ.एल स्टॉप ने उपस्थित ग्रामीण वाशियो को बैंक से संबधित जानकारियां दी जिसमें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति, प्रधानमंत्री सुरक्ष बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, खाता खोलना ,फ्रॉड काल, मैसेज लिंक, लाटरी इत्यादि बेचने से संबंधित जानकारियां दी गयी साथ ही 17 प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, 20 सुरक्ष बीमा योजना, 25 के. वाय. सी करवाया गया! एक दिवशीय बीमा कैम्प ग्रामीण वाशियो के सहयोग से सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ ग्राम पंचायत मुशरा और बरदर मे कैम्प के आयोजन से ग्राम वाशियो को काफी जानकारी व लाभ पहुची जिन वक्तियो का बीमा नही हुआ था उन्होंने कैम्प मे आकर बीमा करवाया कई लोगों की समस्या थी उसे भी सुलझाया गया!

संपादकीय

# योग को धर्म-सियासत से दूर रखें, तो बेहतर?

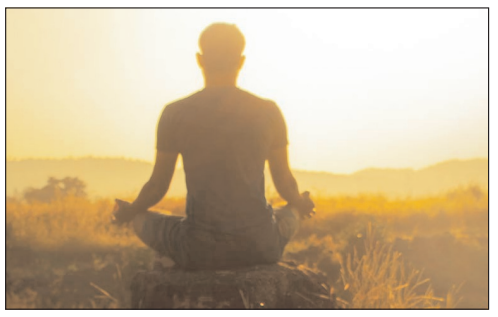

*ऋषि परंपराओं से लेकर आजतक योग शरीर को चंगा रखने का मजबूत माध्यम रहा है और आगे भी रहेगा। पर, ये देखकर दुख होता है इसे शारीरिक जरूरतों से इतर व्यावसायिक, धार्मिक और सियासत में लोग जकड़ते जा रहे हैं। कायदा तो यही बनता है कि योग पर किसी का सर्वाधिकार पेटेंट ना हो और न ही कोई इसकी ठेकेदारी करे। योग को स्वस्थ काया तक ही सीमित रखना चाहिए। उसकी आड़ में राजनीतिक जरूरतें पूरी नहीं करनी चाहिए। योग गुरू कहलाकर समूचे संसार में प्रसिद्धि पा चुके बाबा रामदेव ने निश्चित रूप से योग का प्रचार जबरदस्त तरीके से किया। इस दरम्यान उन्होंने बड़ा व्यवसाय स्थापित किया, बाजार में हजारों प्रोड्क्टस उतार दिए जिसका टर्नओवर लाखों-करोड़ों में नहीं, बल्कि कई अरबों में पहुंच चुका है। बाबा रामदेव की कोशिशों के बदौलत ही योग को आधिकारिक मान्यता केंद्र सरकार से मिली। सरकार ने भी उनका फायदा चुनावों में जमकर उठाया, इस सच्चाई से भी इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन इससे योग विज्ञान का कुछ समय बीतने के बाद नुकसान हुआ। योग सत्ता पक्ष और विपक्ष में बंटकर भाजपा और कांग्रेस हो गया। जब पहला योग दिवस मना, तो कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों ने आयोजन का वॉकआउट किया। यहां तक उन्होंने खुद और अपने कार्यकर्ताओं को भी योग करने से दूर रखा। पर सत्ता पक्ष शुरू से इस दिवस को हर्षोल्लास से मनाती आई है। बहरहाल, कोई कहे बेशक कुछ न, पर सियासत ने योग को धर्म से छोड़ने की भी कोशिशें की हैं। योगासनों में भी धर्मों की एबीसीडी खोज लीं। दूसरा, सबसे दुखद पहलू योग के साथ ये जुड़ा, योग का व्यावसायिककरण कर दिया गया। कईयों की दुकानें योग की आड़ में चल पड़ी हैं। बड़े-बड़े प्रतिष्ठान, कॉलेज, स्कूल, प्रशिक्षण केंद्र संचालित हो गए हैं, जहां योग सीखाने के नाम पर मोटा माल काटा जा रहा है। योग गुरूओं की तो फौज की खड़ी हो गई। बड़े-बड़े नेताओं ने अपने लिए पर्मानेंट एक-एक योग प्रशिक्षक हायर कर लिया। कुल मिलाकर योग को पूरी तरह से स्टेटस सिंबल बना डाला। यानी मध्यम वर्ग और गरीबों की पहुंच से बहुत दूर कर दिया। गौरतलब है, योग विधा पांच हजार पूर्व ऋषि परंपराओं से मिली हमारे लिए अनमोल धरोहर है। ज्यादा पुराने समय की बात नहीं, सिर्फ आजादी तक का इतिहास खंगाले तो पता चलता है कि उस वक्त तक भी चिकित्सा विज्ञान ने उतनी सफलता नहीं पाई थी जिससे अचानक उत्पन्न होने वाली बिमारियों से तुरंत इलाज कराया जा सके। उस वक्त भी जड़ी-बुटियों और नियमित योगासन पर ही समूचा संसार निर्भर था। अंग्रेजी दवाओं को विस्तार कोई चालीस-पचास के दशक से जोर पकड़ा था।*

# सबके गढ़ ध्वस्त, उत्तर प्रदेश में योगी के आगे सारे विपक्षी नेता पस्त

*‘योगी का यूपी में जबर्दस्त जलवा कायम है, जिसके बल पर उन्होंने आजमगढ़ और रामपुर की दो लोकसभा सीटें जीत कर दिल्ली की झोली में डाल दीं। यह वह सीटें थीं जिन पर 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी तक का जादू नहीं चल पाया था, जबकि आम चुनाव में सपा के इस अभेद्य दुर्ग को ध्वस्त करने के लिए बीजेपी ने इन पूरी ताकत झोंक दी थी। लेकिन सपा के यह गढ़ मोदी ध्वस्त नहीं कर पाए थे। इसके उलट 2019 के लोकसभा चुनावों में पूरे यूपी में बीजेपी का प्रदर्शन शानदार रहा था। मोदी का जादू चला था। उप-चुनाव में दो सीटों पर हार के साथ ही समाजवादी पार्टी यूपी में अब तीन सीटों पर सिमट गई है, जिसमें मैनपुरी लोकसभा सीट से मुलायम सिंह यादव, संभल से शफीकुर्रहमान बर्क और मुरादाबाद से एस.टी. हसन ही अब सांसद रह गए हैं। काफी लम्बे समय के बाद ऐसा हो रहा है जब मुलायम के अलावा उनके कुनबे का कोई और सदस्य लोकसभा में नहीं दिखाई देगा।’*

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक-एक कर कई राजनैतिक रिकॉर्ड अपने नाम करते जा रहे हैं। हाल यह है कि योगी यूपी ही नहीं, कई राज्यों तक में जीत का हिट फार्मूला साबित होने लगे हैं। राज्य में लगातार दूसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले योगी प्रदेश के पहले ऐसे नेता बन गए हैं जो लगातार दो बार मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने में सफल रहे हैं। योगी का यूपी में जबर्दस्त जलवा कायम है, जिसके बल पर उन्होंने आजमगढ़ और रामपुर की दो लोकसभा सीटें जीत कर दिल्ली की झोली में डाल दीं। यह वह सीटें थीं जिन पर 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी तक का जादू नहीं चल पाया था, जबकि आम चुनाव में सपा के इस अभेद्य दुर्ग को ध्वस्त करने के लिए बीजेपी ने इन पूरी ताकत झोंक दी थी। लेकिन सपा के यह गढ़ मोदी ध्वस्त नहीं कर पाए थे। इसके उलट 2019 के लोकसभा चुनावों में पूरे यूपी में बीजेपी का प्रदर्शन शानदार रहा था। मोदी का जादू चला था। उप-चुनाव में दो सीटों पर हार के साथ ही समाजवादी पार्टी यूपी में अब तीन सीटों पर सिमट गई है, जिसमें मैनपुरी लोकसभा सीट से मुलायम सिंह यादव, संभल से शफीकुर्रहमान बर्क और मुरादाबाद से एस.टी. हसन ही अब सांसद रह गए हैं। काफी लम्बे समय के बाद ऐसा हो रहा है जब मुलायम के अलावा उनके कुनबे का कोई और सदस्य लोकसभा में नहीं दिखाई देगा। लोकसभा में समाजवादी पार्टी तीन सीटों पर सिमट गई है तो बसपा के दस सांसद क्रमशः अंबेडकर नगर, अमरोहा, गाजीपुर, घोसी, जौनपुर, लालगंज, नगीना, सहारनपुर, बिजनौर और श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र से मौजूद हैं। वहीं कांग्रेस के पास रायबरेली की एक मात्र लोकसभा सीट बची है। वहीं भारतीय जनता पार्टी गठबंधन का आंकड़ा उप-चुनाव के नतीजे आने के बाद 76 पर पहुंच गया है। बहरहाल, उप-चुनाव

**■ नतीजों से टूटे 37 साल के इतिहास ने नारों के निहितार्थ बता दिए थे। तीन महीने बाद ही हुए उप-चुनाव के नतीजों ने इस निहितार्थ का और विस्तार किया है।**

में सपा के गढ़ में बीजेपी को मिली इस जीत ने योगी की सियासी ताकत काफी बढ़ा दी है। इसके साथ ही इन नतीजों को उनकी सरकार की नीतियों और फैसलों पर मुहर के तौर पर भी देखा जा रहा है। दोनों ही सीटों पर योगी ने आक्रामक प्रचार किया था। राजनैतिक पंडितों को लग रहा था कि आजम खान पर लगे 90 मुकदमे रामपुर में भाजपा की जीत की राह में दीवार की तरह खड़े हो सकते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सियासी तरकश से निकले तीरों ने उस दीवार को ढहा दिया। आजमगढ़ में भी योगी की चुनावी रणनीति काम कर गई। योगी ने दोनों ही जगह प्रचार करके अखिलेश की सोच की जबर्दस्त ‘घेराबंदी’ की थी। 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद यह दूसरा मौका है जब जनता ने योगी सरकार पर विश्वास जताया है। विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘आएंगे तो योगी ही’ का नारा लगाया था, तो पार्टी के भीतर और बाहर भी लोग चौंके थे। लेकिन, नतीजों से टूटे 37 साल के इतिहास ने नारों के निहितार्थ बता दिए थे। तीन महीने बाद ही हुए उप-चुनाव के नतीजों ने इस निहितार्थ का और विस्तार किया है। योगी के नेतृत्व में मिली जीत की बड़ी वजह यह रही कि योगी ने कभी भी किसी दबाव में आकर अपनी सरकार के कामकाज की शैली नहीं बदली थी, जबकि उनके ऊपर लगातार आरोप लगते रहे कि योगी मुसलमानों को डरा रहे हैं। आरोप लगे कि मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। दरअसल, विपक्ष ने भी योगी सरकार बनने के बाद माफियाओं से लेकर दंगे के आरोपियों तक की संपत्तियों पर चले बुलडोजर को चुनाव में बड़ा मुद्दा बनाया था, लेकिन यह मुद्दा विपक्ष को फायदा तो नहीं दिला पाया, उसके उलट योगी इसका फायदा उठा ले गए। बुलडोजर को दूसरे भाजपा शासित राज्य भी अपना रहे हैं।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि इसी साल होने वाले दूसरे राज्यों के विधानसभा चुनाव में स्टार प्रचारक के तौर पर योगी के ‘बुलडोजर बाबा’ की यह इमेज अहम साबित होगी। योगी के संसदीय क्षेत्र गोरखपुर जिले से सटे आजमगढ़ लोकसभा की जीत योगी के लिए सियासी उपलब्धि से इतर व्यक्तिगत तौर पर खास है क्योंकि 2008 में मऊ की एक सभा में जाते हुए आजमगढ़ में ही योगी के काफिले पर हमला हुआ था। उस समय योगी सांसद थे और प्रदेश में बसपा की सरकार थी। ऐसे में वहां मिली जीत और महत्वपूर्ण हो जाती है। अहम यह भी है कि रामपुर और आजमगढ़ दोनों ही जगह वोटों के समीकरण योगी के राजनीतिक स्टाइल के हिसाब से मुफीद नहीं हैं। बावजूद इसके सीएम ने वहां जनसभाओं में खुलकर अपना दांव खेला। रामपुर में उन्होंने रामपुरी चाकू सज्जन हाथों में देने की अपील के साथ ही सिखों, दलितों और गरीबों मुस्लिमों को सुरक्षा और जीविका का भरोसा दिया। आजमगढ़ को ‘आर्यगढ़’ बताकर उन्होंने अपने कोर वोटरों के ध्रुवीकरण से भी परहेज नहीं किया। इन प्रयोगों के बाद उप-चुनावों में बीजेपी के पक्ष में आए नतीजे ना केवल योगी के आत्मविश्वास को बढ़ाएंगे बल्कि भाजपा के लिए रणनीति के नए विकल्प भी खोलेंगे।

# अखिलेश क्यों अपने पारिवारिक गढ़ भी हार गये? मायावती हार के भी कैसे जीत गयीं?

समाजवादी पार्टी को एक बार फिर मुंह की खानी पड़ी। इससे भी बड़ी हकीकत यह है कि अपने आप को मुसलमानों का रहनुमा समझने वाले आजम खान को रामपुर के वोटरों ने ठेंगा दिखा दिया तो आजमगढ़ में अखिलेश यादव की जैसी दुर्गति हुई, वह अकल्पनीय रही।

आजमगढ़ में जिस तरह से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी ने मुकाबले का त्रिकोणीय बना दिया, वह न केवल रोचक रहा बल्कि यह बात भी जोर पकड़ने लगी है कि बहुजन समाज पार्टी को जो समाजवादी बीजेपी की बी टीम साबित करने में लगे थे, अबकी से उनके भी अरमानों पर पानी फिर गया। क्योंकि ‘कांठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती’ है। विधान सभा चुनाव के समय समाजवादी पार्टी के इस झूठ पर जिन मुस्लिम वोटरों ने भरोसा करके बसपा से किनारा कर लिया था, वह मुस्लिम वोटर लोकसभा उप-चुनाव में फिर से बसपा के साथ खड़े नजर आए, इसीलिए सपा आजमगढ़ हार गई तो रामपुर में एक मुस्लिम नेता ने ही अपने समर्थकों से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील कर दी, जिसका बीजेपी को भरपूर फायदा मिला। मतलब साफ है कि अब मुसलमानों का समाजवादी पार्टी से विश्वास उठने लगा है। यह विश्वास इस उप-चुनाव में इसलिए और तार-तार हो गया क्योंकि दोनों मुस्लिम बाहुल्य सीटें जहां लोकसभा चुनाव

प्रतिष्ठा का प्रश्न बना था, वहां अखिलेश यादव ने अपनी ‘चुनावी सेना’ को मैदान में अकेले छोड़ दिया। दोनों ही सीटों पर एक बार भी अखिलेश प्रचार के लिए नहीं गए तो यूपी के सीएम ने इसे जनता और खासकर मुसलमनों के बीच ही बड़ा मुद्दा बना दिया।

यह और बात है कि समाजवादी पार्टी अपनी कमजोरियों को पहचानने की बजाए पुराना राग अलाप रही है कि सरकारी मशीनरी ने उसको हरा दिया, लोकतंत्र ठोकतंत्र बन गया। माना जा रहा है कि सपा और भाजपा के बीच सीधे मुकाबले में भगवा दल की जीत के पीछे कि जो मुख्य वजहें हैं। उसमें एक तो भाजपा ने दोनों ही सीटों पर पिछड़े समाज का उम्मीदवार उतारा था, वहीं रामपुर में बसपा के दलित वोट पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में शिफ्ट हो गया। इतना ही नहीं रामपुर में तो कांग्रेस नेता नवाब काजिम अली खान ने वोटरों से भाजपा को समर्थन का ऐलान कर दिया, जबकि कांग्रेस ने आजमगढ़ की तरह यहां भी सपा के समर्थन में अपना प्रत्याशी नहीं उतारा था। यदि बात 2014 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों की करें तो इसमें सच्चाई भी जान पड़ती है। 2014 में भाजपा के नेपाल सिंह को 3 लाख 58 हजार मत मिले थे, जबकि सपा के नसीर अहमद को 3 लाख 35 हजार के करीब वोट हासिल हुए थे।

# जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन सभी दुष्प्रचारों की हवा निकाल देगा

कश्मीर को लेकर फैलाये जाने वाले दुष्प्रचार का वैसे तो भारत हमेशा तगड़ा जवाब देता रहा है लेकिन अब कुछ ऐसा होने जा रहा है जिसके जरिये पूरी दुनिया जम्मू-कश्मीर के विकास और यहां के लोगों की भारत भक्ति को सीधे देख सकेगी। दरअसल दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के प्रभावशाली समूह जी-20 की बैठक जम्मू-कश्मीर में होने जा रही है जिसमें इन देशों के बड़े नेताओं समेत कई बड़ी राजनीतिक, कूटनीतिक और औद्योगिक हस्तियां शामिल होंगी। हम आपको बता दें कि मोदी सरकार द्वारा अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को प्राप्त विशेष दर्जे की समाप्ति और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों का स्वरूप दिये जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाला यह पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन होगा। माना जा रहा है कि जी-20 सम्मेलन का आयोजन साल 2023 के अंत में जम्मू-कश्मीर में किया जायेगा। इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी गयी है। केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन ने बैठकों के समग्र समन्वय के लिए पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। हम

आपको बता दें कि जी-20 में भारत और यूरोपीय संघ समेत 20 देश शामिल हैं। भारत के खास मित्र देश अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, रूस और जापान तो जी-20 के सदस्य हैं ही साथ ही इस समूह के अन्य सदस्यों में चीन, अर्जेंटीना, ब्राजील, कनाडा, इंडोनेशिया, इटली, मेक्सिको, सउदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया और तुर्की भी शामिल हैं। जी-20 सम्मेलन में जिन विषयों पर अक्सर चर्चा होती है उनमें आतंकवाद, आर्थिक चिंताएं, ग्लोबल वार्मिंग और स्वास्थ्य आदि प्रमुख रहते हैं। जब जम्मू-कश्मीर में दुनिया के 20 बड़े देश आतंकवाद पर चर्चा कर रहे होंगे तो निश्चित रूप से पाकिस्तान और उसके आका चीन को मिर्ची लगेगी।

# जिला मुख्यालय पर दिनदहाड़े 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला की हत्या

**रायसेन।** थाना कोतवाली के अंतर्गत शहर के दशहरा मैदान व केंद्रीय विद्यालय से करीब एक किमी मीटर दूर खेत के मकान में रह रही बुजुर्ग महिला की मंगलवार दोपहर ईंट और कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई है। हत्यारे महिला के पास रखे 75 हजार रुपये नकदी और डेढ़ लाख के सोना-चांदी के जेवर चोरी करके ले गए हैं। बताया जाता है कि दशहरा मैदान में बटिया से लगभग चार एकड़ जमीन पर धनियाखेड़ी के पास की निवासी यशोदाबाई बैरागी उम्र 85 वर्षीय अपने बेटे और अपनी बेटी के साथ सब्जी लगाने का काम करती थी। उनका बेटा जगन्नाथ दोपहर 12 बजे उनको घर पर अकेला छोड़ कर गया था। इसके बाद यशोदाबाई की छोटी बहन नर्मदाबाई ने आकर देखा तो उसके होश उड़ गए। खून से लथपथ यशोदा कमरे में पड़ी थी और

शरीर पर कोई कपड़े भी नहीं थे। इसके बाद उन्होंने उनके शरीर पर कपड़ा ढांका और उनकी लड़की को सूचना दी। घटना की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंचे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमृत मीणा, एसडीओपी अदिति भावसार, थाना कोतवाली प्रभारी आशीष सप्रे ने जांच पड़ताल शुरू करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हत्यारे की तलाश शुरू कर दी है। वही प्रथम दृष्टि से देखा जाए तो यह वारदात हत्यारों द्वारा लूट के इरादे से की गई है। यशोदाबाई की हत्या करके उनके कमरे में रखे 75000 रुपये और करीब डेढ़ लाख रुपये मूल्य के सोना- चांदी के आभूषण चुरा ले गए हैं।

## ईंट, कुल्हाड़ी से की हत्या

बताया जाता है कि यशोदाबाई कमरे के बाहर कुछ काम कर रही थी। इसी दौरान अज्ञात हत्यारों ने पहले उनके सिर में ईंट से जोरदार वार किया उसके बाद उनको घसीट कर कमरे में ले गए। यहां पर कुल्हाड़ी से सिर में भी कई वार किए हैं। अधिक खून बहने से बुजुर्ग की मौत हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मीणा ने बताया कि दशहरा मैदान के पास धनियाखेड़ी के खेत में महिला की हत्या हो जाने की सूचना मिली थी। जिसकी जांच प्रारंभ कर दी है। मृतक महिला का नाम यशोदाबाई है। महिला की हत्या की मामले की जांच की जा रही है।

# भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशियों का प्रचार चरम पर, बागी भी दमखम दिखा रहे

**सुल्तानपुर।** भाजपा व कांग्रेस ने नगर के 15 वार्डों से ज्यादातर युवा प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। दोनों ही दलों के प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार चरम पर है। वहीं टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले बागी भी जीत का समीकरण बिगाड़ने के लिए दमखम दिखा रहा हैं। आम आदमी पार्टी ने नगर के दो वार्ड से प्रत्याशी चुनाव में उतारे हैं। जिसमें वार्ड क्रमांक 4 से साधना अजेद्र श्रीवास्तव एवं वार्ड क्रमांक 9 से राजकुमारी सुनील प्रमुख हैं। शेष 13 वार्डों में निर्दलीय उम्मीदवार सामने हैं। जिसमें वार्ड क्रमांक 2 से भाजपा के दो बार के नगर पालिका अध्यक्ष कन्हैयालाल गौर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपनी ताल ठोक रहे हैं। वहीं वार्ड क्रमांक 3 से दो बार की कांग्रेस नगर परिषद अध्यक्ष अरुणा राजपाल पार्टी उम्मीदवारों के सामने हैं। इसी तरह नगर के अन्य वार्डों में पार्टी उम्मीदवारों के सामने कही पूर्व पार्षद तो कहीं पार्टी उम्मीदवारों से नाराज होकर चुनावी मैदान में पार्टी उम्मीदवारों को परेशानी में डाल रहे हैं। नगर पुरोहित पंडित कमल किशोर शर्मा ने कहा कि नगर का नगर पालिका अध्यक्ष ऐसा व्यक्ति चुनकर सामने आए जो नगर में शीघ्र ही धार्मिक आयोजन हेतु दशहरा मैदान एवं एक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं धार्मिक आयोजन वहां सुव्यवस्थित रूप में हो सके उसके लिए सामुदायिक भवन का निर्माण उसकी पहली प्राथमिकता रहे। हरि नारायण श्रीवास्तव रिटायर्ड शिक्षक ने कहा कि नगर परिषद अध्यक्ष का प्रथम प्रयास नगर की जीवनदायिनी पलक मति नदी का जीर्णोद्धार एवं उसका विकास होना चाहिए क्योंकि यह पलक मति नदी नगर की वर्षों पुरानी संपदा है जो आज समाप्ति की ओर है। इसका जोरदार प्राथमिकता से होना चाहिए। रमेश राजपाल कृषक ने कहा कि नगर का परिषद अध्यक्ष एक विकासशील व्यक्तित्व होना चाहिए जो सर्व धर्म समाज को लेकर नगर के विकास के बारे में सोचे नगर में जो विकास कार्य रूके हुए हैं उनको प्राथमिकता से कराएं। नगर के युवा अमन शानू, गोलू शाक्य, हिमांशु घुते, रोहित रामानी, किशोर रैकवार आदि ने कहा कि आज नगर में हम युवाओं को खेलने के लिए कोई उचित खेल मैदान नहीं है। नगर परिषद अध्यक्ष को प्राथमिकता से नगर में एक बेहतर खेल मैदान देना चाहिए जो नगर के युवाओं के सर्वांगीण विकास में सहायक बन सके। नगर के विकास में अपनी भूमिका निभा सके।

# नगरीय चुनाव में बागियों भितरघात से भयभीत हैं दोनों दलों के प्रत्याशी

**उदयपुरा।** नगर में भाजपा व कांग्रेस दोनों दलों के प्रत्याशी बागियों की भितरघात से भयभीत हैं। भारतीय जनता पार्टी में असंतुलित टिकट बांटने से भितरघात की आशंका जताई जा रही। वार्ड क्रमांक एक से भाजपा ने राधा राकेश दीक्षित को मैदान में उतारा है। वही कांग्रेस ने वहां से हेमंत रघुवंशी को टिकट दिया है। यहां से भाजपा के कार्यकर्ता कैलाश राजपूत व कुंवरबाई राजपूत निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में हैं। वार्ड क्रमांक दो में आशीष धाकड़ को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। इसी प्रकार वार्ड नंबर तीन में सीमा बृजेंद्र राजपूत और कांग्रेस से अभिषेक धाकड़ मैदान में हैं। जबकि भाजपा कार्यकर्ता विश्वनाथ राजपूत निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। वार्ड क्रमांक चार में वर्षा लोधी को कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया है वही भाजपा ने मुन्ना बाबू को टिकट दिया है। भाजपा से बागी होकर निर्दलीय प्रत्याशी मैदान जो समीकरण बिगाड़ सकते है। इसी प्रकार वार्ड नंबर पांच में भाजपा ने रेखा लक्ष्मण धाकड़ को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेसी ने

**वार्ड नंबर 7 से शेख बशीर कांग्रेस से व शंभूलाल साहू भाजपा के प्रत्याशी हैं**

सविता वर्मा को टिकट दिया है। बाहरी प्रत्याशी होने का फायदा भाजपा को मिल सकता है। इसी प्रकार वार्ड नंबर 7 से शेख बशीर कांग्रेस से व शंभूलाल साहू भाजपा के प्रत्याशी हैं। यहां अशोक राय निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में भाजपा को अड़चन पैदा कर सकते हैं।वार्ड नंबर 11 में रानू वर्मा और सुनील राय कांग्रेस प्रत्याशी का मुकाबला है। विनोद धाकड़ भाजपा से बागी होकर चुनाव लड़ रहे हैं। विनोद धाकड़ से कांग्रेस को भी नुकसान होने की संभावना है। वार्ड नंबर 12 से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्व. दयाराम रघु कक्का की पुत्रवधू चुनाव मैदान में है। वही विनीता रघुवंशी भाजपा उम्मीदवार हैं। कांग्रेस से बागी होकर नगर के वरिष्ठ वकील श्याम चांडक जीत का गणित बिगाड़ सकते हैं। वार्ड नंबर 13 में कांग्रेस ने लता शर्मा को टिकट दिया है व भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ब्रिज गोपाल लोया की बेटी वैशाली लोया भाजपा प्रत्याशी हैं। ब्राह्मण बाहुल्य वार्ड होने के कारण व कांग्रेस से बागी होकर नर्मदा कुशवाहा भी दमखम दिखा रहे हैं। इससे भाजपा को नुकसान हो सकता है। वार्ड नंबर 14 में भाजपा से पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष केशव पटेल की धर्मपत्नी सीमा पटेल चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेसी ने विधायक देवेंद्र पटेल के खास कार्यकर्ता श्रीराम रघु की पत्नी लता रघुवंशी को मैदान में उतारा है।

# नगरीय निकाय चुनाव की सरगर्मियां तेज, मंत्री, सांसद व विधायक कर रहे प्रचार

**बरेली।** नगर में 15 वार्डों के पार्षद पदों के लिए भाजपा व कांग्रेस सहित निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। नगर में नगरीय चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। साथ ही कांग्रेस, भाजपा एवं निर्दलीय प्रत्याशियों के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन भी प्रारंभ हो गया है। इस दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी, सांसद राव उदय प्रताप सिंह, सिलवानी विधायक रामपाल सिंह राजपूत, पूर्व विधायक रामकिशन पटेल सहित दिग्गज भाजपा नेता नगर के वार्ड क्रमांक चार में भाजपा प्रत्याशी पूरन सिंह धाकड़ के कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए नगर में भी भाजपा की नगर सरकार बनाने को लेकर आम जनता से सहयोग की अपील की। वहीं दूसरी ओर वार्ड क्रमांक 9 में कांग्रेस प्रत्याशी अरविंद मालवीय, वार्ड क्रमांक चार के कांग्रेस प्रत्याशी भीकम राय के कार्यालय का उद्घाटन विधायक देवेंद्र पटेल ने किया है।

## चुनावी जंग तेज हुई

इस दौरान देखा जा रहा है कि नेताओं के द्वारा अपने प्रत्याशी को जीत दिलाने की भरसक प्रयास किए जा रहे हैं तो वही प्रतिद्वंदी की छवि धूमिल करने के लिए कई बे बुनियादी आरोप भी लगाए जा रहे हैं। 6 जुलाई को होने वाले मतदान को लेकर पार्टी सहित निर्दलीय प्रत्याशियों के द्वारा अपने अपने हिसाब से अपना अपना गणित बनाए हुए हैं सभी प्रत्याशी अभी से वार्डों में भ्रमण करने लगे हैं। बता दें कि आने वाले दिनों में नगर के 15 ही वार्डों आने वाले दिनों में और भी चुनाव कार्यालय खोले जाएंगे। यूं कहें कि जैसे-जैसे निकाय चुनाव की तिथि नजदीक आती जा रही है। वैसे.वैसे पार्षद प्रत्याशियों में कार्यालय खोलने की होड़ बढ़ती जा रही है। कुछ स्थानों पर प्रत्याशियों को व्यवस्थित रूप से जगह नहीं मिलने के कारण मोहल्लों की गलियों में पार्षद प्रत्याशियों के द्वारा अपने कार्यालय बना रहे हैं।

# सलमान से लेकर आमिर तक इन सितारों की वजह से बढ़ा फिल्मों का बजट

**ऋतिक रोशन** इन दिनों अपनी फिल्म विक्रम वेधा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह तमिल फिल्म का रीमेक है, जिसमें ऋतिक के साथ सैफ अली खान भी नजर आने वाले हैं। हाल ही में खबर आई थी कि ऋतिक ने फिल्म के मेकर्स को सुझाव दिया है कि वह फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश में न करके दुबई में करे और वहां पर ही सेट बनाए। ऐसे में फिल्म का बजट बढ़कर 175 करोड़ हो गया है। माना जा रहा है कि इस फिल्म का बजट इतना बढ़ सकता है कि यह ऋतिक की अब तक की सबसे ज्यादा बजट वाली फिल्म बन जाए। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि किसी फिल्म का बजट उसके मुख्य कलाकार की वजह से बढ़ा हो। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसी ही फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका कुछ ऐसा ही हाल रहा था।

## कंगना रणौत- मणिकर्णिका

2019 में आई कंगना की इस फिल्म को बनाने में कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। पहले इस फिल्म को साउथ के डायरेक्टर क्रिश डायरेक्ट कर रहे थे, लेकिन उन्होंने इसे बीच में ही अधूरा छोड़ दिया था और फिर कंगना ने कमान संभाली। इसके बाद सोनू सूद ने कंगना के साथ क्रिएटिव डिफरेंस के चलते फिल्म छोड़ दी। फिर जीशान अय्यूब के साथ सीन दोबारा शूट के गए। इसके अलावा कंगना ने कई बदलाव भी कई, जिस वजह से फिल्म का बजट बढ़कर 150 करोड़ रुपये हो गया।

## सलमान खान - रेस 3

रेस 3 2018 में रिलीज हुई थी। यह रेस फिल्म का सीक्वल थी, जिसमें सैफ अली खान मुख्य भूमिका में थे। हालांकि रेस 3 में सलमान खान ने लीड रोल निभाया था। रेस 3 में काम करने के लिए सलमान खान ने स्क्रिप्ट में कई बदलाव किए थे। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म का निर्देशन रेमो डिसूजा से कराने की भी शर्त रखी थी। फिल्म के दौरान सलमान को काला हिरण मामले में दोषी ठहराया गया और इसे बनाने में देरी हो गई, जिस वजह से फिल्म का बजट 180 करोड़ हो गया।

## आमिर खान - ठग्स ऑफ हिंदोस्तान

यह फिल्म 2018 में आई थी। इस फिल्म को बनाने में बजट आमिर खान की वजह से बढ़ा था। पहले आमिर फिल्म की तैयरी कर रहे थे और फिर शूटिंग से पहले इटली वेकेशन पर चले गए। ऐसे में फिल्म में देरी होती गई और इसका बजट 300 करोड़ रुपये हो गया। फिल्म के कई सीन्स को माल्टा में शूट किए गए थे, जिन्हें दोबारा यशराज स्टूडियो में भी शूट किया गया। हालांकि फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर हाल बेहाल रहा और फ्लॉप साबित हुई।

## राज कपूर - मेरा नाम जोकर

मेरा नाम जोकर में राज कपूर ने तीन भूमिका निभाई थी। वह फिल्म में एक्टिंग करने के साथ ही इसके डायरेक्टर और प्रोड्यूसर भी थे। 1970 में रिलीज हुई यह फिल्म पांच घंटे लंबी थी, जिसमें दो इंटरवल रखे गए थे। इस फिल्म की शूटिंग में छह साल लगे और बजट इतना बढ़ गया कि राज कपूर को अपना आरके स्टूडियो ही गिरवी रखना पड़ा था। दरअसल, राज कपूर चाहते थे कि इस फिल्म के छह चैप्टर बने। हालांकि बाद में सिर्फ तीन चैप्टर में फिल्म को पूरा किया गया और इसी सब बदलाव के चलते बजट बढ़ता चला गया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई, लेकिन अब इसकी गिनती बेहतरीन फिल्मों में होती है।

# हिंदी न बोल पाने वालों पर भड़कीं सोना महापात्रा

***शिव्या पठानिया का चौंकाने वाला खुलासा:*** *बाल शिव फेम शिव्या पठानिया ने हाल ही में इंडस्ट्री को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। अभिनेत्री ने अपने साथ हुए कास्टिंग काउच के अनुभव को साझा किया। मनोरंजन की जगत की दिनभर हुई ऐसी तमाम खबरों के लिए पढ़ते रहे यह एंटरटेनमेंट लाइव अपडेट-*

***केजीएफ फेम बीएस अविनाश का हुआ कार एक्सीडेंट:*** *मशहूर केजीएफ सीरीज में अहम भूमिका निभाने वाले अभिनेता बीएस अविनाश का बेंगलुरु में कार एक्सीडेंट हो गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, अविनाश की कार, मर्सिडीज बेंज, एक ट्रक से टकरा गई, लेकिन राहत की बात यह है कि इस हादसे में उन्हें किसी तरह की कोई गंभीर चोट नहीं आई है।*

***राजीव सेन से तलाक चाहती हैं चारु असोपा:*** *अभिनेत्री चारु असोपा और एक्ट्रेस सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन ने साल 2019 शादी रचाई थी। हालांकि, शादी के कुछ समय बाद ही दोनों ने अपने इस रिश्ते में समस्याओं का सामना करना शुरू कर दिया। दोनों के रिश्ते में आई दूरियों के चलते कई बार इनके तलाक की खबरें की सामने आ रही थीं। इसी बीच अब चारु असोपा ने यह साफ कर दिया है कि राजीव से तलाक चाहती हैं।*

***डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए रवाना हुई एक्ट्रेस पायल रोहतगी:*** *टीवी एक्ट्रेस पायल रोहतगी जल्द ही अपने बॉयफ्रेंड संग्राम सिंह से शादी करने वाली हैं। बीते कई दिनों से अपनी शादी को लेकर चर्चा में रहने वाली एक्ट्रेस अब अपनी वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए रवाना भी हो चुकी हैं। पायल रोहतगी और उनके बॉयफ्रेंड संग्राम सिंह आगरा में शादी करने वाले हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों की शादी 9 जुलाई को होने वाली है।*

***पॉप गायक कैली को 30 साल जेल की सजा:*** *मशहूर अमेरिकी पॉप गायक आर कैली को महिलाओं और बच्चों के यौन शोषण का दोषी ठहराए जाने के नौ माह बाद इस मामले में सजा सुनाई गई।*

**रणवीर सिंह के साथ नजर आई आलिया:** बीते दिनों ही अपनी प्रेग्नेंसी की खबर सुर्खियां बटोर रहीं अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों लंदन में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की एक नई तस्वीर सामने आई है, जिसमें वह अभिनेता रणवीर सिंह को एक साथ नजर आ रही हैं। फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से सह-कलाकारों ने लंदन में फिल्म निर्माता के लिए एक तस्वीर खिंचवाई।

## सूर्या ने स्वीकार किया ऑस्कर समिति का निमंत्रण

*साउथ अभिनेता सूर्या ने एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर्स आर्ट्स एंड साइंसेज के प्रस्ताव को विनम्रता से स्वीकार कर लिया है। अभिनेता को एकेडमी ने ऑस्कर समिति में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया था। सूर्या अपनी हालिया फिल्मों सोरारई पोट्रु और जय भीम की अंतरराष्ट्रीय पहचान के बाद ऑस्कर समिति में आमंत्रित होने वाले पहले दक्षिण भारतीय अभिनेता बन गए हैं।*

# लगातार मिल रहे लेटर्स से तंग आईं शकीरा

## एक्स बॉयफ्रेंड पर लगाया परेशान करने का आरोप

पॉप स्टार शकीरा के गानों पर दुनिया थिरकती है। उनके फैंस पूरी दुनिया में फैले हुए हैं, जिनसे उन्हें खूब प्यार मिलता है। हमेशा अपने काम के कारण पॉपुलैरिटी हासिल करने वाली शकीरा की जिंदगी ने पिछले दिनों कुछ ऐसी करवट ली कि वह बुरी तरह से टूट गईं। दरअसल, हाल ही में शकीरा और स्पेन के दिग्गज फुटबॉलर जेरार्ड पीके ने अपने 12 साल का रिश्ता खत्म करने का एलान किया था। इस बात से उनके फैंस को बहुत बड़ा झटका लगा। अभी उनके फैंस इस सदमे से बाहर आए ही थे कि उनसे जुड़ी एक और चौंका देने वाली खबर सामने आ गई है।

### ये है पूरा मामला

स्पेन के दिग्गज फुटबॉलर जेरार्ड पीके से मिले धोखे से शकीरा अभी उबर भी नहीं पाई थीं कि अब उनकी जिंदगी में नया भूचाल आ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 12 साल के रिश्ते का अंत होने के बाद कोई उन्हें लेटर्स लिख-लिखकर परेशान कर रहा है। उनके घर के आसपास कई लोग पहरा डाले हुए हैं। इस बात से तंग आकर शकीरा ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। शकीरा को मिलने वाले लेटर्स में ऐसी-ऐसी बात लिखीं हैं, जिन्हें सुन शायद सभी को हैरानी होगी। इन लेटर्स में शकीरा के फैंस उनसे शादी करने की गुजारिश कर रहे हैं। इस मामले की जानकारी शकीरा के परिवार और उनके भाई टोनिनो मुबारक ने पुलिस को दी।

### बॉयफ्रेंड पर जताया शक

पुलिस में शिकायत दर्ज करते हुए पॉप सिंगर ने इन लेटर्स का शक अपने एक्स बॉयफ्रेंड और फुटबॉल स्टार जेरार्ड पीके पर ही जताया है। शकीरा ने दावा किया है कि पीके उन्हें परेशान करने के लिए उनका पीछा कर रहे हैं। सामने आती मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि इसी महीने की शुरुआत में शकीरा को एक स्टॉकर की ओर से लेटर मिला था। उसमें लिखा था कि वह उन्हें प्यार करता है और उनसे शादी करना चाहता है। इस लेटर को पढ़कर शकीरा ने इसके पीछे जेरार्ड के हाथ होने की आशंका जताई है।

मामले की शुरुआती जांच के बाद माना जा रहा है कि शकीरा को परेशान करने वाला एक रूसी है।

### यूं टूटा रिश्ता

शकीरा ने पीके पर किसी और महिला के साथ रिलेशनशिप में रहने और उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पीके किसी और महिला के साथ अफेयर में हैं। शकीरा ने पीके को उस महिला के साथ रंगे हाथों पकड़ा था, जिसके बाद कपल ने अलग होने का फैसला किया था।

# विज्ञान भवन में पीएम मोदी बोले- आठ सालों में MSME का बजट 650 प्रतिशत बढ़ाया गया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि स्वास्थ्य सेक्टर का विस्तार करने पर सरकार की ओर से अभूतपूर्व बल दिया जा रहा है। इसी कड़ी में आज अनेक नई योजनाएं शुरू की गई हैं। यह योजनाएं स्वास्थ्य सेक्टर की गुणवत्ता और तरक्की से जुड़ी हुई हैं। उनहोंने कहा है कि मैं देश के एमएसएमई सेक्टर को देश के विकास में योगदान देने के लिए धन्यवाद देता हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि स्वास्थ्य सेक्टर को मजबूती देने के लिए पिछले आठ साल में हमारी सरकार ने बजट में 650 प्रतिशत से ज्यादा की बढोतरी की है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि हमारी सरकार के लिए स्वास्थ्य का मतलब- मैक्सिमम सपोर्ट टू स्वास्थ्य है। उन्होंने कहा है कि बीते सालों में देश में एमएसएमई सेक्टर के उद्योगों को 14,000 करोड़ रुपए सिर्फ सब्सिडी के रूप में दिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित उद्यमी भारत कार्यक्रम को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री इम्प्लायमेंट जेनरेशन प्रोग्राम से जुड़े कुछ नए फीचर्स का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान एमएसएमई मंत्री नारायण राणे ने विज्ञान भवन पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने साल 2022 के एमएसएमई अवार्ड विजेताओं को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में राज्यों, केन्द्र शासित प्रदेशों, देश के प्रगतिशील जिलों और बैंकों को भी एमएसएमई क्षेत्र के विकास में योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया है।

# बैंक एफडी: नुकसान से बचने के लिए 5 जोखिमों के बारे में जरूर जानें

**नई दिल्ली।** महंगाई हर प्रकार के निवेश को प्रभावित करती है और जोखिम भी बढ़ाती है। मान लीजिए, कोई बैंक एफडी पर 8 फीसदी ब्याज दे रहा है और उस समय महंगाई की दर 7त्न है तो आपको जमा पर वास्तविक रिटर्न सिर्फ एक फीसदी ही मिल रहा है। एफडी पर बाजार के उतार-चढ़ाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) हमेशा निवेश का लोकप्रिय साधन रहा है। इसमें निवेशकों को न सिर्फ निश्चित रिटर्न मिलता है बल्कि जोखिम भी कम रहता है। लेकिन, वास्तव में ऐसा नहीं है। निवेश सलाहकारों का मानना है कि एफडी को भले ही सबसे कम जोखिम वाला निवेश विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी भी अपनी सीमाएं हैं। इसमें बैंकों के डिफॉल्ट करने पर आपका पैसा डूबने का खतरा रहता है। मैच्योरिटी से पहले फंड निकासी की सुविधा नहीं होती है। महंगाई भी एफडी के ब्याज को प्रभावित करती हैं। ऐसे ही पांच जोखिम हैं, जिनका एफडी कराते समय ध्यान रखना चाहिए।

## डिफॉल्ट का जोखिम

कुछ स्मॉल को-ऑपरेटिव बैंक के डूबने के मामले सामने आए हैं। ऐसी स्थिति में निवेशकों की जमा पर जोखिम बढ़ जाता है। नए नियम के तहत किसी बैंक के डूबने पर कुल जमा पर 5 लाख रुपये तक इंश्योरेंस मिलता है। ऐसे में अगर किसी बैंक में 15 लाख रुपये का एफडी किया है और वह बैंक डूब जाता है तो आपको अधिकतम 5 लाख रुपये ही मिलेंगे। बाकी 10 लाख रुपये के डूबने का खतरा रहता है।

**मैच्योरिटी से पहले फंड निकासी नहीं:** एफडी में एक निश्चित अवधि के लिए निवेश किया जाता है। इस अवधि से पहले आप फंड निकासी नहीं कर सकते हैं। मान लीजिए, आपने टैक्स सेविंग एफडी किया है, जिसकी लॉकइन अवधि पांच साल है तो आप मैच्योरिटी के बाद ही फंड की निकासी कर सकते हैं। मैच्योरिटी से पहले फंड निकासी पर आपको नुकसान हो सकता है। इसके अलावा, कई बैंक एफडी से ऑनलाइन निकासी की सुविधा नहीं देते हैं। ऐसे में फंड निकासी के लिए आपको बैंक शाखा जाकर कागजी कार्यवाही करनी पड़ती है।

## अधिक टैक्स का भुगतान

एफडी पर ब्याज से होने वाली कमाई करयोग्य होती है। इस पर कमाई के साथ जोड़कर स्लैब के हिसाब से टैक्स लगता है। हालांकि, अगर आपकी उम्र 60 साल से अधिक है तो आयकर कानून की धारा 80टीटीबी के तहत एफडी पर ब्याज के रूप में होने वाली कमाई पर 50,000 तक की छूट मिलती है।

## महंगाई

महंगाई हर प्रकार के निवेश को प्रभावित करती है और जोखिम भी बढ़ाती है। मान लीजिए, कोई बैंक एफडी पर 8 फीसदी ब्याज दे रहा है और उस समय महंगाई की दर 7त्न है तो आपको जमा पर वास्तविक रिटर्न सिर्फ एक फीसदी ही मिल रहा है।

# सेंसेक्स 266 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी उछाल

**मुंबई।** गुरुवार को शेयर बाजार खुलने के साथ सेंसेक्स बुधवार की तुलना में 266.59 अंक ऊपर कारोबार कर रहा है जबकि निफ्टी 70.6 अंकों के उछाल के साथ 15,869.70 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। रिलायंस, कोटक महिंद्रा, टाटा स्टील, सन फार्मा, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, ICICI बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया टॉप BSE सेंसेक्स गेनर्स की सूची में रहा। 9 बजकर 56 मिनट पर सेंसेक्स 53309 जबकि निफ्टी 15872 पर कारोबार करता दिख रहा है। वहीं गुरुवार को बाजार से जुड़ी एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि एफपीआई से सेबी से डेरियेटिव ट्रेडिंग की इजाजत मिली है। एफपीआई को नॉन एग्री कमोडिटी डेरिवेटिव में ट्रेडिंग की इजाजत दी गई है। चुनिंदा कमोडिटी डेरिवेटिव में भी इजाजत दी गई है। सेबी ने एफपीआई को शुरुआत में सिर्फ कैश कॉनट्रेक्ट में ट्रेड करने की इजाजत दी है। आज के बाजर में निवेशकों का फोकस आईओसी पर रह सकता है। कंपनी दिगबोई रिफाइनरी का विस्तार करने वाली है। इस विस्तार प्रोजेक्ट पर कंपनी 740 रुपए खर्च करेगी। कंपनी अपनी सालाना क्षमता 6.5 लाख प्रति टन से बढ़ाकर 10 लाख टन प्रति टन करने पर काम कर रही है।

# क्रिप्टो के बाजार में फिर लौटी बहार, बिटक्वाइन 20000 डॉलर के पार, इथेरियम 12 फीसदी चढ़ा

**नई दिल्ली।** बीते कुछ समय से क्रिप्टो बाजार हर रोज निवेशकों के आंसू निकाल रहा था, लेकिन अब इसमें एक बार फिर से बहार लौट आई है। सोमवार को बिटक्वाइन-इथेरियम से लेकर लाइटक्वाइन और पोल्काडॉट तक लगभग सभी क्रिप्टोकरेंसी में जोरदार तेजी देखने को मिली। हालांकि, इस दौरान टॉप-10 में शामिल एकमात्र टेथर क्वाइन में गिरावट आई है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वाइन की कीमत में बीते 24 घंटों के दौरान नौ फीसदी का उछाल आया है और इसका भाव 1,28,268 रुपये बढ़कर फिर से 20,000 डॉलर को पार कर गया है। खबर लिखे जाने तक बिटक्वाइन की कीमत उछलकर 16,45,202 रुपये पर पहुंच चुकी थी। इस कीमत पर इसका बाजार पूंजीकरण भी बढ़कर 29.3 ट्रिलियन रुपये हो गया था। बिटक्वाइन के बाद दूसरी सबसे पसंदीदा क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम के दाम में भी इस दौरान 12 फीसदी की बड़ी तेजी आई और यह 9,285 रुपये चढ़कर 88,348 रुपये का हो गया। इथेरियम का मार्केट कैप भी इस वृद्धि के साथ 10.0 ट्रिलियन रुपये पर पहुंच गया। टॉप-10 क्रिप्टोकरेंसी में शामिल डॉजक्वाइन के निवेशकों की भी बीते 24 घंटे में बल्ले-बल्ले हो गई। इसके दाम में इस अवधि में 11 फीसदी को इजाफा देखने को मिला है। इसके चलते डॉजक्वाइन का भाव 0.48 रुपये बढ़कर 4.80 रुपये हो गया है। इस इजाफे के बाद इसका बाजार पूंजीकरण भी बढ़कर 600 अरब रुपये हो गया है। डॉजक्वाइन के साथ ही पोल्काडॉट 5 फीसदी की बढ़त के साथ 602 रुपये का हो गया।

# बूस्टर एसआईपी और वैल्यू फंड रिटर्न के लिहाज से बेहतर साधन

**नई दिल्ली।** शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद म्यूचुअल फंड की इक्विटी फंड योजनाओं में पिछले महीने 18 हजार करोड़ से ज्यादा की रकम आई। इससे पता चलता है कि निवेशक सुरक्षित और बेहतर रिटर्न के लिए इन योजनाओं पर भरोसा जता रहे हैं। वैल्यू और बूस्टर एसआईपी जैसे इक्विटी फंड में निवेश का गणित बताती अजीत सिंह की रिपोर्ट- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के उत्पाद एवं रणनीति प्रमुख चिंतन हरिया कहते हैं कि म्यूचुअल फंड उद्योग में

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को अधिकतर लोग जानते हैं। इसमें किसी कर्ज के किस्त की तरह हर महीने एक तय रकम जमा की जाती है। पर अब बूस्टर एसआईपी भी आ रहा है। सामान्य एसआईपी की तुलना में इसमें ज्यादा रिटर्न मिलता है। इस फीचर के जरिये जब बाजार महंगा हो जाता है तो जो मूल किस्त है, उसकी एक छोटी सी रकम का निवेश किया जाता है। इसके विपरीत, जब मूल्यांकन सस्ता हो जाता है तो यह निवेश को ज्यादा बढ़ा देता है। उदाहरण के लिए, यदि मूल किस्त 10,000 रुपये है तो यह बाजार की स्थितियों के आधार पर कहीं भी 100 रुपये से एक लाख रुपये के बीच निवेश करता है। बूस्टर एसआईपी डायनैमिक किस्त के माध्यम से लक्षित योजना में निवेश को भी पीछे छोड़कर रुपये की लागत औसत मूल्य का फायदा उठाता है। यह इनहाउस इक्विटी वैल्यूएशन इंडेक्स पर आधारित है।

# छोटी बचत योजनाओं पर बढ़ सकती हैं ब्याज दरें, दो वर्षों से नहीं हुआ कोई बदलाव

**नई दिल्ली।** छोटी बचत योजनाओं (एसएससी) पर अगले महीने से ब्याज दरें 0.5 से 0.75 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। सरकार इस माह के अंत तक इस पर फैसला लेगी। इससे इन योजनाओं में ज्यादा निवेशक आ सकते हैं और ज्यादा ब्याज देने के लिए सरकार को अतिरिक्त उधारी लेने की कम जरूरत पड़ेगी। पिछले 2 वर्षों (अप्रैल, 2020) से इस पर मिलने वाली ब्याज दरों में बदलाव नहीं हुआ है। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में इन योजनाओं की ब्याज दरों को बढ़ाने का फैसला लिया जा सकता है।


**आवश्यकता**

युवा प्रदेश नेटवर्क

*मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।*

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204


स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया ( समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)